



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—संख्या ३—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)  
प्राप्तिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. ४१४] नई दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर २१, १९९०/भाद्रपद ३०, १९१२  
No. 414] NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 21, 1990/BHADRA 30, 1912

इस भाग में ऐन या विभिन्न विधायिका वाली हुई जिसमें यह यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

ग्रन्थालय

नई दिल्ली, २१ सितम्बर, १९९०

सं. 248-सीमांशुलक/१०

सा.ना.नि. ८०५(ग्र) :—केंद्रीय सरकार, सीमांशुलक अधिनियम, १९६२ (१९६२  
का ५२) की भारा २५ की उपधारा (१) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आना  
यह समाधान हो जाते पर कि लोकप्रिय में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त

मंत्रालय, राजस्व विभाग की अधिसूचना सं. 260/87-सीमाशुल्क, तारीख 2 जूनाई, 1987 का निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में,—

(क) शर्त (viii) में, "आयातकर्ता" शब्द के स्थान "जैसा शर्त (xiii) में अन्यथा उप-बन्धित है उसके भिवाय, आयातकर्ता" शब्द, कोष्ठक और अक्षर रखे जायेंगे;

(ख) शर्त (x) में निम्नलिखित परंतु जोड़ा जाया, अर्थात् :—

"परन्तु यह कि विनिर्माण प्रक्रिया के दौरान उत्पन्न स्वर्ण के रूपै, धूल और ज्वाड़न आयातकर्ता द्वारा मन्त्रालय को मानक स्वर्ण शासाकारों में संपरिवर्तित किये जाने के लिये भेजे जा सकेंगे और इस संबंध में सीमाशुल्क कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार उक्त जोन को लौटाये जा सकेंगे";

(ग) शर्त (xiii) के पश्चात् निम्नलिखित शर्त अंतःस्थापित की जाएँगी, अर्थात् :—

"(xiii) उक्त जोन में विनिर्मित रस्ते और आभूषणों का, आयात और निर्यात नीति (अप्रैल, 1990—मार्च 1993) के पैरा 16 के अनुसार दिल्ली और मुम्बई स्थित अन्तर्राष्ट्रीय विमानपत्तन के प्रस्थान लाउज में स्थापित फुटकर विक्रय केन्द्र या शोभ्य को पर्यटक यात्री सामान नियम, 1978 में परिभाषित गए से पर्यटक को, जो भारत छोड़ता है, सीमाशुल्क कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार विक्रय के लिये प्रदाय किया जा सकेगा;"।

[सं. 248-सीमाशुल्क/90-फा. सं. 305/38/90-एफ टी टी]

ए.ल. जोधलेकर, अवर मंचिव

### MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 21st September, 1990

No. 248-CUSTOMS/90

G.S.R. 805(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India

in the Ministry of Finance, Department of Revenue No. 260/87-Customs, dated the 2nd July, 1987, namely :—

In the said notification,—

(a) in condition (viii), for the words “the importer”, the words, brackets and letters “save as otherwise provided in condition (xiii), the importer” shall be substituted;

(b) to condition (x), the following proviso shall be added, namely :—

“Provided that scrap, dust or sweepings of gold arising in the manufacturing process may be forwarded to the Government Mint by the importer for conversion into standard gold bars and return to the said Zone in accordance with the procedure specified by the Collector of Customs in this regard;”;

(c) after condition (xiii), the following condition shall be inserted, namely :—

“(xiii) gem and jewellery manufactured in the said zone may be supplied to the retail outlets or show rooms set up in the departure lounge at international airports at Delhi and Bombay in accordance with para 16 of the Import and Export Policy (April, 1990—March, 1993), for sale to a tourist as defined in the Tourists Baggage Rules, 1978, leaving India, in accordance with the procedure specified by the Collector of Customs.”

[No. 248-Customs/90-F. No. 305/38/90-FTT.]

Sd/-  
L. JAYASEKAR, Under Secy.

